भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

03.03.2016 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 802

रेअर अर्थ्स से मूल्य संवर्धित उत्पाद

802. **श्री के.एन. बालगोपाल:**

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **क्या सरकार के पास इंडियन रेअर अर्थ्स से मूल्य संवर्धित उत्पादों के उत्पादन की कोई विशिष्ट योजना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

(ख) **देश में वर्तमान में कौन-कौन से रेअर अर्थ्स उत्पादों का उत्पादन होता है; और**

(ग) **क्या सरकार देश में रेअर अर्थ्स इकाइयों के आधुनिकीकरण की योजना बना रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) **इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल), जो परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसयू) है, उसका अधिदेश है, विरल मृदाओं एवं थोरियम के यौगिकों का उत्पादन करने के साथ-साथ, इल्मेनाइट, रूटाइल, ज़र्कन, मोनाज़ाइट, सिलिमेनाइट का उत्पादन करने हेतु तटीय बालू का खनन करना एवं खनिजों का पृथक्करण करना। इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड, परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा सामरिक उपयोग हेतु सामग्री का उत्पादन करने के लिए मोनाज़ाइट के संसाधन के कार्य से भी जुड़ा हुआ है, जिसके लिए उसने उड़ीसा सैंड्स कॉम्प्लैक्स (ऑस्कॉम) में 10,000 टन प्रति वर्ष क्षमता के मोनाजाइट संसाधन संयंत्र (एमओपीपी) की स्थापना की है। सामरिक महत्व की सामग्री के अतिरिक्त, मोनाज़ाइट के संसाधन के परिणामस्वरूप, मिश्रित विरल मृदा क्लोराइड तथा ट्राई-सोडियम फॉस्फेट का उत्पादन भी होता है।**

रक्षा धातुकर्मीय एवं अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद के पास उपलब्ध विरल मृदा आधारित स्थायी चुंबक प्रौद्योगिकी के अंतरण के लिए, इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड एवं रक्षा धातुकर्मीय

एवं अनुसंधान प्रयोगशाला, हैदराबाद के बीच प्रौद्योगिकी के अंतरण के लिए लाइसेंसिंग करार पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अतिरिक्त, समेरियम-कोबाल्ट चुंबकीय मिश्र धातु चूर्ण की प्रौद्योगिकी के अंतरण के लिए, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी) के साथ भी एक करार पर हस्ताक्षर किए गए। इंडियन रेअर अर्थ्स द्वारा चुंबकों का उत्पादन किया जाना, जोकि एक मूल्य वर्धित उत्पाद है, एक महत्वपूर्ण कदम है। इल्मेनाइट और ज़र्कन का मूल्य वर्धन करने के लिए इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड, 99.99% नैनो टाइटेनिया एवं 99.99% नैनो ज़र्कोनिया का उत्पादन करने के लिए एक संयंत्र की स्थापना करने हेतु योजना बना रहा है। संयंत्र की स्थापना करने के लिए पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त की जा रही है।

(ख) वर्तमान में, देश में उत्पादित किए जाने वाले विरल मृदा उत्पाद लैंथेनम, सीरियम, नियोडिमियम-प्रेसिओडिमियम एवं समेरियम के यौगिक हैं।

(ग) इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड ने हाल ही में ऑस्कॉम, ओडिशा (एमओपीपी) में एक मोनाज़ाइट संसाधन संयंत्र की स्थापना की है, जिसने मई, 2015 से वाणिज्यिक रूप से उत्पादन आरंभ कर दिया है। इसके अतिरिक्त, उच्च शुद्धता वाली विरल मृदा का उत्पादन करने के लिए, मोनाजाइट संसाधन संयंत्र से प्राप्त फीड स्टॉक पर आधारित विरल मृदा प्रभाग (आरईडी), अलुवा के विरल मृदा संयंत्र की हाल ही में पुन: सज्जा की गई है। उपरोक्त के मद्देनज़र, वर्तमान में, विरल मृदा एककों का और अधिक आधुनिकीकरण किए जाने की कोई योजना नहीं है।

****